इतिहास के लेखन में होनी चाहिए तटस्थता

अमर उजाला ब्यूरो

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेष व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में साहित्य समिति, हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग की ओर से 'हिंदी साहित्य तिहास का पुनर्लेखन' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश गौतम तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नवल किशोर थे। अतिथियों का स्वागत हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया।

मुख्य वक्ता प्रो. गौतम ने साहित्य इतिहास का पुनर्लेखन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें किसी एक कवि या लेखक को आधार मानकर साहित्य के इतिहास का लेखन नहीं करना चाहिए। इतिहास का लेखन करते समय हमें तटस्थता रखनी चाहिए।

उन्होंने अपनी इस बात को तुलसी एवं सूरदास की कविताओं के अनेक उदाहरणों से स्पष्ट किया। उन्होंने साथ ही साहित्य इतिहास में धर्म निरपेक्षता पर बोलते हुए कहा कि धर्म निरपेक्षता राजनीतिक रूप से बदनाम शब्द है। प्रो. नवल किशोर ने कहा कि साहित्य का उद्देश्य परहित

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि।

सरिस धरम नहीं भाई का होना चाहिए। साहित्य का रस हमें धार्मिक सहिष्णुता की ओर अग्रसारित करता है। मुख्य वक्ता का स्वागत साहित्य समिति की अध्यक्ष मनीषा झा एवं अध्यक्ष का स्वागत समिति की सचिव पूनम शर्मा ने किया। संचालन डॉ. अरविंद सिंह तेजावत एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमित कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ. संजीव कुमार, डॉ. बीर सिंह, डॉ. आदित्य सक्सेना आदि थे।

छात्राओं का दल साहसिक गतिविधियों के लिए रवाना

महेंद्रगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्राओं का 4 सदस्यीय(अरोमा, दीपिका, प्रियंका व रितु) दल साहसिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए रवाना हुआ। इस दल को शुभ कामनाएं देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव रामदत्त ने कहा कि उस तरह की गतिविधियों में भाग लेने से लड़कियां निडर,साहसी व आत्मविश्वासी बनती हैं। छात्र कल्याण संकायअध्यक्ष, डॉ. संजीव ने कहा कि विश्वविद्यालय समय-समय पर ऐसी गतिविधियों में भाग लेने हेतु विद्यार्थियों का प्रेरित करता रहता है। एनएसएस संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि छात्राओं का यह दल हिमाचल प्रदेश स्थित नारकंडा में सात दिवसिए शिविर में भाग लेगा जिसका आयोजन युवा एवं खेल विभाग, हरियाणा द्वारा किया जा रहा है। इस शिविर में छात्राओं को पर्वतारोहण, रॉक कलाइंबिंग, रिवर कॉसिंग, रैपलिंग, नाइट मार्च आदि गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

व्याख्यान

केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'हिन्दी साहित्येतिहास का पुनर्लेखन' विषय पर एक विशेष व्याख्यान

इतिहास लेखन कल्याणकारी परिस्थितियों का विवेचन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में साहित्य समिति, हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग की ओर से 'हिंदी साहित्येतिहास का पुनर्लेखन' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश गौतम तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नवल किशोर थे। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने कहा कि आधुनिक युग में पुनर्लेखन आवश्यक हो गया है। इतिहास लेखन के लिए पुरानी तमाम मान्यताओं से अगल होकर विस्तृत सोच के साथ हिंदी साहित्य के इतिहास को फिर से सृजित किया जाए।

मुख्य वक्ता प्रो. गौतम ने कहा कि हमें किसी एक कवि या लेखक को आधार मानकर साहित्य के इतिहास का लेखन नहीं करना चाहिए। इतिहास का लेखन करते समय हमें तटस्थता रखनी चाहिए। उन्होंने अपनी इस बात को तुलसी एवं सूरदास की कविताओं के अनेक उदाहरणों से स्पष्ट किया।

प्रो. नवल किशोर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में तुलसीदास के हवाले से कहा कि साहित्य का उद्देश्य 'परहित सरिस धरम नहीं भाई' का होना चाहिए। साहित्य का रस हमें धार्मिक सहिष्णुता की ओर अग्रसारित करता है। साहित्य समिति की अध्यक्ष मनीषा झा एवं समिति की सचिव पूनम शर्मा द्वारा भी इतिहास लेखन पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरविंद सिंह तेजावत व डॉ. अमित कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ. संजीव कुमार, डॉ. बीर सिंह, डॉ. आदित्य सक्सेना आदि शिक्षक उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़. केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते प्रो. गौतम।

केंद्रीय विवि में श्रमदान कर मनाया हरियाणा दिवस

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रविवार को हरियाणा दिवस पर एक दिवसीय श्रमदान शिविर लगाया गया जिसमें विवि के स्वयं सेवकों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस दौरान स्वयं सेवकों ने नए बिल्डिंग ब्लॉक से लेकर सड़क मार्गों के दोनों ओर खड़े अनावश्यक पौधे उखाड़ व साफ-सफाई कर स्वच्छता का भी संदेश दिया। श्रमदान शिविर में प्रथम बार भाग ले रहे स्वयं सेवकों ने कहा कि श्रमदान शिविर में भाग लेकर उन्हें श्रम के महत्व का पता चला है। वे जीवन में परिश्रम के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर सुदीप अहलावत ने भी विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन किया। विवि के कार्यकारी अभियंता जितेंद्र ने स्वयं सेवकों को श्रमदान के समय रखी जानी वाली सावधानियों के बारे में बताया। एनएसएस संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि इस शिविर के आयोजन का मकसद स्वयं सेवकों में श्रमदान के महत्व को समझाना था तथा इस तरह वे समय-समय पर श्रमदान करके समाज के नवनिर्माण में योगदान दे सकते हैं।